B-2110
Hindi Sahitya
Sem-III

8703/NH

Time. 3 hrs. MM: 100

खण्ड – क

1. क. रीतिकाल के अन्य नाम बताते हुए इसका उचित नामकरण करें। 12

अथवा

बिहारी का परिचय देते हुए उनके काव्य की विशेषताएं लिखो।

(ख) हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास विस्तार में लिखें। 9

अथवा

सम्पर्क भाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके गुण भी लिखें।

खण्ड – ख

निम्नलिखित पद्यांश तथा गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें –

(2) क) ''चंद चकोर की चाह करें, धनआनन्द स्वाति पपीहा कौं धावै। 7x2=14

त्यों त्रसरैनि के ऐन वसै रवि, मीन पै दीन द्वैव सागर आवै।''

अथवा

'राग न रूप न रेख न रंग न साक न सोग न संगि तिहारे।

आदि अनादि अगाध अभेख अद्वैख जपियो तिनही कुल तारे।।'

ख) 'मेरे लिए सब मिट्टी है, सब जल तरल है, सब पवन शीतल है। कोई विशेष अकांक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्ज्वलित नहीं। सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है।'

अथवा

'राजकुमार, नियमों से यदि मानव–हृदय बाध्य होता तो, आज मगध के राजकुमार का हृदय किसी राजकुमारी की ओर न खिच कर एक कृषक बालिका का अपमान करने न आता।'

PTO

(3) क) रसखान अथवा सेनापति के काव्य की विशेषताएं लिखें। 10

ख) ग्राम अथवा 'मधुआ' कहानी का सार तथा उद्देश्य लिखें। 10

खण्ड - ग

(4) निम्नलिखित सभी प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में दें - 15x3=45

क) रीतिकालीन काव्य की चार विशेषताएं लिखें।

ख) रीतिकाल की सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन करें।

ग) भूषण के काव्य में वीर भावना स्पष्ट करें।

घ) घनानन्द के काव्य में भक्ति भावना स्पष्ट करें।

ड) राष्ट्रभाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसका उदाहरण भी लिखें।

च) राजभाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए उदाहरण भी लिखें।

छ) तत्सम और तद्भव शब्दों का अर्थ बताते हुए उदाहरण भी लिखें।

ज) घनानन्द की भक्ति-भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

ट) घनानन्द की रचनाओं का परिचय दें।

ठ) 'आंधी' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।

ड) 'आकाशदीप' कहानी के पात्रों का परिचय दें।

ढ) मधूलिका के चरित्र की चार विशेषताएं लिखें।

ण) 'आँधी' कहानी के पात्रों का परिचय दें।